

स्मारक एक प्रतिमा के रूप में बँटाने का विचार सरकार का है ?

श्री बिष्णु चरण शुक्ल : मैं तो कह चुका हूँ कि श्री श्री इंडिया गेट की मेहराब के नीचे युद्ध स्मारक बना है वह अस्थायी रूप से बहा रखा गया है। स्थायी स्मारक एक उचित स्थान पर बनाने का प्रश्न विचाराधीन है।

दूसरा प्रश्न जो माननीय सदस्य ने किया कि इंडिया गेट के पास जो कौनोपी है, जहाँ पर पहले किंग जॉर्ज की मूर्ति थी, वहाँ पर कुछ बनाया जाय, उस के बारे में अभी तक कोई निर्णय नहीं हुआ। एक कमेटी है जिस में बहुत से माननीय सदस्य इस सदन के भी हैं, उस कमेटी के द्वारा इस बात की सिफारिश की जाने वाली है। उस के बाद इसका निर्णय किया जायगा।

जहाँ तक युद्ध स्मारक का सवाल है इस के लिये एक दूसरे स्थान पर विचार किया रहा है। और जिस स्थान की तरफ माननीय सदस्य ने इंगित किया है उस स्थान के बारे में विचार नहीं किया जा रहा है।

श्री फूलचन्द वर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैं जानना चाहता हूँ कि जिस प्रकार दिल्ली के अन्दर इंडिया गेट पर जबान ज्योति युद्ध में शहीद हुए जवानों की स्मृति में जल रही है, क्या इसी प्रकार अन्य स्मारक या ज्योति के सम्बन्ध में आप ने राज्यों को भी निर्देश दिये हैं, या आप के पास राज्यों से इस प्रकार की माँग आयी है कि जवानों की स्मृति में जबान स्तम्भ या कुछ ऐसी स्थायी चीजें निर्मित करना चाहते हैं जिस से जन-साधारण प्रेरणा ले सकें ?

श्री बिष्णुचरण शुक्ल : अध्यक्ष महोदय, जलन चाहते हैं कि इस तरह के स्मारक

अपने देश के विभिन्न भागों में बन रहे हैं और वहाँ के स्थानीय लोगों ने अपने प्रयास से ही बनाये हैं। माँग यदि आयी है तो इस तरह से आयी है कि पाकिस्तान के कुछ टैंक या दूसरी इस तरह की चीजें, जिन पर हम ने कब्जा किया है, उस को हम वहाँ वें जो बहा रखी जा सकें। और दूसरी तरह की भी यदि कोई माँग आयी है तो हम उस के ऊपर अखिल भारतीय तौर पर विचार करते हैं और उस के ऊपर निर्णय लेते हैं। अभी तक हम ने यह नीति बनायी है कि वह स्थानीय उत्साह से और स्थानीय प्रयत्नों से ही इस तरह के स्मारकों का निर्माण होना चाहिये।

अध्यक्ष महोदय : आप से एक बात कहूँ जो सिपाही लड़े होते हैं उन को बड़ा इरेक्ट खड़ा होना चाहिये। आपस में गप्पे हाँकते देखा है मैंने।

Until we are able to erect a regular memorial, they should be specially instructed.

बातचीत करते हैं आपस में, हंसी और गप्पे मारते हैं। उन को जरूर हिदायत कीजिये। The must keep the serenity of the atmosphere.

#### Admission of Girls in Sainik School

\*920. SHRI KRISHNA CHANDRA PANDEY : Will the Minister of DEFENCE be pleased to state :

(a) whether no provision has been made in any Sainik School for admission of girls; and

(b) if so, whether Government propose to make suitable provision in this regard ?

THE MINISTER OF STATE  
(DEFENCE PRODUCTION) IN THE

MINISTRY OF DEFENCE (SHRI VIDYACHARAN SHUKLA): (a) The answer is in the affirmative.

(b) No, Sir

श्री कुण्डल चन्द्र पंडे : आप के माध्यम से मैं मंत्री महोदय से कहना चाहता हूँ कि हमारे संबंधित मे स्त्री और पुरुष में भेद भाव नहीं रखना गया है, और इस देश का इतिहास साक्षी है इस बात का, जिसमें अमी की रानी लक्ष्मीबाई ने एक वीरता का इतिहास स्वर्णशरो में लिखा है। मैं जानना चाहता हूँ कि क्या इस की दृष्टि में रखते हुए मंत्री महोदय कोई विचार कर रहे हैं कि लड़कियों का भी सैनिक स्कूलों में नामांकन हो और उन को भी सैनिक शिक्षा दी जाये ?

श्री विद्या चरण शुक्ल : जहां तक सैनिक स्कूलों में लड़कियों के दाखिले का सवाल है, अभी इस बारे में कोई विचार नहीं किया जा रहा है। जिस ढंग की हमारे यहां परिस्थितियां हैं और जिस ढंग से अपने देश में काम हो रहा है उस में हम लोगों के विवेक के अनुसार यह बात ठीक नहीं लगती कि इस तरह का कोई प्रावधान किया जाये।

श्री कुण्डल चन्द्र पंडे : भारत का इतिहास साक्षी है कि अमी की रानी लक्ष्मीबाई ने एक उदाहरण हमारे सामने पेश किया। मैं जानना चाहता हूँ कि क्या रक्षा मंत्रालय इस उदाहरण से कुछ सीख लेने के लिये तैयार है? यदि हाँ, तो क्या लड़कियों का उद्योग राष्ट्रीय रक्षा के लिये किया जायेगा ?

अध्यक्ष महोदय : आप अपने लिये तो नहीं कह रहे हैं कि सैनिक स्कूल में ले लिये जायें ?

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : मंत्री महोदय ने जो उत्तर दिया, वह मेरी समझ में नहीं आया। मैं यह समझने में असमर्थ हूँ कि इसमें विवेक का प्रश्न कहाँ है। यह लड़कियों के लिये सैनिक शिक्षा का प्रश्न है। मंत्री महोदय मानेंगे कि कुछ लड़कियां लडाका होती हैं...

अध्यक्ष महोदय : आप को कहाँ से तजुर्ना आ गया ? आप तो बंचेतर हैं ?

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष महोदय, अगर लड़कियां सैनिक शिक्षा ग्रहण करना चाहती हैं तो उनके लिये कोई व्यवस्था करनी चाहिये या नहीं, मंत्री महोदय यह बतलायें।

अध्यक्ष महोदय : आप उम्मी से कुछ लीजिये। आपस में ही सलाह कर लीजिये।

श्री विद्याचरण शुक्ल : इस में क्या चीज बाधनीय रहेगी और क्या नहीं रहेगी, यह तो अपनी अपनी राय का सवाल है। अभी हम लोगों ने अपनी जो योजना बनाई है उस में यह होता है कि सैनिक स्कूलों में जो लड़के भरती किये जाते हैं वह नेशनल डिफेन्स अकेडेमी में भेजे जाते हैं। वृत्ति अभी तक नेशनल डिफेन्स अकेडेमी में लड़कियां नहीं भेजी जाती हैं इस लिये सैनिक स्कूलों में उन को नहीं लिया जाता। जो कुछ भी पाठेजी ने कहा या जो मानवीय सहस्यों की भावना है, उसके विपरीत हम ने कोई काम नहीं किया है। मैं ने केवल वर्तमान स्थिति का उल्लेख किया है।

अध्यक्ष महोदय : आप पता लगा कि श्री वाजपेयी क्यों बंचेतर हैं। वह बहुत डरते हैं लड़कियों के।

**SHRI G VISWANATHAN :** In many countries the fair sex is recruited to the armed forces, mainly intelligence. Why should we not consider that aspect of recruiting ladies to the military intelligence section ?

**SHRI VIDYA CHARAN SHUKLA :** We do not believe in recruiting them, particularly in military intelligence. For that boys and girls are not recruited through the sainik schools.

**SHRIMATI M. GODFREY :** In view of the fact that basic military training is given to all citizens of India, do they consider opening the sainik schools to girls who want to do higher training ?

**SHRI VIDYA CHARAN SHUKLA :** As the hon. Member knows, there is the Girls' Wing of the NCC where they are given regular training. Regarding the army, navy and air force, we shall consider the suggestion given by the hon. Lady Member.

**MR. SPEAKER :** Now we shall take up the second round of the question list.

#### Petro-Chemical Units Set up in the Country

\*919 DR. KAILAS on behalf of SHRI S. N. MISRA :

Will the Minister of PETROLEUM AND CHEMICALS be pleased to state :

(a) the number of petro-chemical units set up in the country with foreign collaboration and without any such collaboration;

(b) the number of units which have gone into production; and

(c) when the target capacities will be achieved by these units?

**THE MINISTER OF LAW & JUSTICE AND PETROLEUM & CHEMI-**

**CALS (SHRI H. R. GOKHALE):** (a) The major petro-chemical units set up for manufacture of primary and basic raw materials in the country are :-

(i) Two Naphtha Crackers with their integrated down-stream facilities;

(ii) One unit for manufacture of Methanol and another unit for the manufacture of Phenol and Acetone.

From these primary and basic raw materials a number of secondary and tertiary products are manufactured.

All these four units have been set up with foreign collaboration.

(b) All these four units are in production.

(c) One of the two crackers has already attained licensed capacity. The other unit has reached 75% of its licensed capacity in 1971. The Methanol Unit has operated during 1971 at about 66% of the licensed capacity, while the unit producing Phenol and Acetone has worked at above 90% of installed capacity in 1971. These units are likely to achieve their approved capacity within a couple of years.

**DR. KAILAS :** May I know from the hon. Minister whether one of the firms manufacturing menthol, having a capacity of 66 per cent only and is it true that this firm is not having sufficient production the country? Is it producing sufficient menthol for consumption or need in the country ?

**SHRI H. R. GOKHALE :** Perhaps the hon. Member is referring to the methanol plant of the Fertilizer Corporation of India. Here the production in the year 1971 was 23,310 tonnes. Although the capacity is not to the tune of the designed capacity because of operational reasons, the production is increasing.